

व्यक्तियों में से कोई भी हिन्दी में योग्यता प्राप्त व्यक्ति नहीं है ।

†[THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (DR. B. V. KESKAR): (a) 63.

(b) (i) 20

(ii) 9

(c) Five of these were Office Orders granting leave, which are usually issued in English as they are used for preparation of bills and maintenance of service records. The remaining four replies were issued in English as none of the persons in the Section concerned was qualified in Hindi.]

### राष्ट्रीय दिवसों पर विदेशों को भेजे गये संदेश

३५६. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सन् १९६० में सरकार द्वारा विदेशी सरकारों को उन के राष्ट्रीय दिवसों तथा अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर कितने सन्देश भेजे गये और उन में से कितने हिन्दी में भेजे गये ; और

(ख) क्या ऐसे सभी सन्देशों को हिन्दी में भी भेजने की कोई व्यवस्था है ; और यदि नहीं, तो कब से ऐसी व्यवस्था की जाने वाली है ?

†[MESSAGES TO FOREIGN COUNTRIES ON THE NATIONAL DAYS

356. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the number of messages sent by Government to foreign Governments during the year 1960 on their national days and on other important occasions

and how many of them were sent in Hindi; and

(b) whether there is any arrangement for sending all such messages in Hindi also; and if not, by when such an arrangement is likely to be made?]

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : (क) १९६० के दौरान में, राष्ट्रीय दिवसों पर ७१ और अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर ६६ संदेश दूसरे देशों को भेजे गये थे । इन में से कोई भी हिन्दी में नहीं भेजा गया ।

(ख) जी नहीं ।

यह मालूम नहीं है कि इस प्रकार के प्रबन्ध कब संभव होंगे ।

†[THE PRIME MINISTER AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU): (a) 71 messages on the occasion of National Days and 66 messages on other important occasions were sent to other countries during 1960. None of them was sent in Hindi.

(b) No, Sir.

It is not known when such arrangement will be possible.]

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय में विभिन्न प्रतिष्ठानों में हिन्दी जानने वाले कर्मचारी

३५७. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय (१) फ़िल्म्स डिवीज़न, (२) पब्लिकेशन्स डिवीज़न, (३) फ़्रील्ड पब्लिसिटी डाइरेक्टोरेट, भोपाल के कार्यालय और (४) फ़िल्म्स इंस्टीट्यूट आफ इंडिया में कितने कर्मचारी हिन्दी जानने वाले हैं

और इन कार्यालयों में हिन्दी के कितने टाइपराइटर हैं ; और

(ख) क्या इन कार्यालयों में हिन्दी में प्राप्त होने वाले पत्रों का उत्तर हिन्दी में दिया जाता है, और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

†[HINDI-KNOWING EMPLOYEES IN THE VARIOUS ESTABLISHMENTS OF I. & B. MINISTRY

357. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of INFORMA-

TION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) the present number of Hindi-knowing employees in (i) Films Division, (ii) Publications Division, (iii) Office of the Field Publicity Directorate Bhopal and (iv) Films Institute of India and the number of Hindi typewriters with these offices; and

(b) whether the letters received in Hindi in these offices are replied to in Hindi, and if not, what are the reasons therefor?]

सूचना तथा प्रसारण मंत्री (डा० बी० बी० केसकर) : (क)

कार्यालय का नाम	हिन्दी जानने वाले कर्मचारियों की संख्या (चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को छोड़ कर)	उपलब्ध हिन्दी टाइपराइटरों की संख्या
(१) फिल्म डिवीजन	६६	४
(२) पब्लिकेशन्स डिवीजन	१६६	२४
(३) फ़िल्ड पब्लिसिटी डाइरेक्टोरेट का भोपाल कार्यालय	६	१
(४) फिल्म इंस्टीट्यूट आफ इंडिया	१२	..

(ख) हिन्दी में प्राप्त होने वाले पत्रों के उत्तर पब्लिकेशन्स डिवीजन और फ़िल्ड पब्लिसिटी डाइरेक्टोरेट के भोपाल कार्यालय आमतौर पर हिन्दी में ही देते हैं, परन्तु फिल्म डिवीजन और फिल्म इंस्टीट्यूट आफ इंडिया ऐसा नहीं करते। इन दो में अभी तक पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित स्टाफ नहीं है जो हिन्दी में पत्र-व्यवहार कर सके, परन्तु प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जा रही है।

†[THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (DR. B. V. KESKAR): (a)

Name of the Office	Number of Hindi-knowing employees (excluding Class IV employees)	Number of Hindi type-writers available
(i) Films Division	96	4
(ii) Publications Division	196	24

Name of the Office	Number of Hindi knowing employees (excluding Class IV employees)	Number of Hindi type-writers available
(iii) Field Publicity Organisation at Bhopal	9	1
(iv) Film Institute of India, Poona	12	..

(b) Letters received in Hindi are generally replied to in Hindi by the Publications Division and the Field Publicity Organisation at Bhopal, but not by the Films Division and the Film Institute of India. The latter two have not, yet, got adequately trained staff to undertake correspondence in Hindi, but arrangements for training are being made.]

### हिन्दी में छपाई का काम

३५८. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या निर्माण, आवास और संभरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि सन् १९६१ में कलकत्ता तथा अलीगढ़ की सरकारी फार्म्स प्रेसों द्वारा हिन्दी अथवा हिन्दी-अंग्रेजी की छपाई का कितना काम हिन्दी टाइप की कमी के कारण वापिस कर दिया गया अथवा अभी तक उनके पास रुका पड़ा है ?

†[PRINTING WORK IN HINDI

358. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of WORKS, HOUSING AND SUPPLY be pleased to state the quantum of Hindi printing work or Hindi-English printing work which was either returned by the Government Forms Presses, Calcutta and Aligarh during the year 1961 or is still pending with them due to shortage of Hindi type?]

निर्माण, आवास और संभरण उपमंत्री  
(श्री अनिल के० चन्दा) : कोई नहीं ।

†[THE DEPUTY MINISTER OF WORKS, HOUSING AND SUPPLY (SHRI ANIL K. CHANDA): Nil.]

### फार्मों का हिन्दी अनुवाद

३५९. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या श्रम तथा सेवानियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय में प्रयुक्त होने वाले कितने फार्मों का हिन्दी में अनुवाद अब तक हो चुका है ; और

(ख) उनमें से कितने फार्म हिन्दी में अथवा सर्म्मिलित रूप से हिन्दी तथा अंग्रेजी में छपवाये जा चुके हैं और शेष फार्मों के इसी रूप में कब तक छप जाने की सम्भावना है ?

†[TRANSLATION OF FORMS INTO HINDI

359. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of LABOUR AND EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) the number of forms used in his Ministry which have so far been translated into Hindi; and

(b) how many of them have been printed either in Hindi or in bilingual form, both in Hindi and English, and by when the remaining forms are likely to be printed in the same manner?]

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) :

(क) और (ख) इस मंत्रालय के २६३ फार्म, एवं १७ अपरिनियत संहितायें, नियम संग्रह, इत्यादि जिनके अन्दर भी कुछ फार्म हैं, हिन्दी अनुवाद के लिये शिक्षा मंत्रालय को भेजे गये हैं । ७० अपरिनियत नियम